पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी तथ्य चार्ट
लड़कों के यौवन में विलंब: परिवारों के लिए मार्गदर्शक जानकारी

लड़कों के यौवन (प्यूबर्टी) में विलंब की परिभाषा क्या है?

लगभग 95% लड़कों में यौवन का प्रारंभ 9 से 14 वर्ष की आयु के बीच होता है। यदि यौवन का प्रारंभ 14 साल की उम्र तक न हो, तो इस अवस्था को विलंबित यौवन कहा जाता है। लड़कों में यौवन का सबसे पहला चिन्ह अंडकोष (टेस्टिस) का बढ़ना है। इसके बाद लिंग और जघन (pubic) के बालों में बढ़ोतरी होती है। जब पिट्यूटरी ग्रंथि (ग्लैंड) दो प्रकार के हार्मोन, लुटिनाइजिंग हार्मोन (LH) और फॉलिकल स्टिम्युलेटिंग हार्मोन (FSH) बनाना प्रारंभ करती है, तब यौवन की शुरुआत होती है। ये हार्मोन अंडकोषों को टेस्टोस्टेरोन (testosterone) नामक हार्मोन बनाने का संदेश देते हैं। यह प्रक्रिया शुरू होने के लगभग 1 साल बाद लम्बाई में अत्यधिक बढ़ोतरी देखी जाती है।

लड़कों के यौवन में विलंब किन कारणों से होता है?

सबसे प्रमुख कारण 'संवैधानिक यौवन विलंब' होता है। ये लड़के आमतौर पर स्वस्थ होते हैं और इनमें यौवन बिना किसी इलाज के स्वयं ही प्रारंभ हो जाता है। लगभग 60% लड़कों में यह अवस्था माता या पिता से विरासत में मिलती है। यदि माँ को माहवारी 14 साल की उम्र के बाद शुरू हुई हो या पिता के यौवन प्रारंभ होने में विलंब रहा हो, तो बेटे में भी यौवन देर से प्रारंभ होने की संभावना होती है।

लम्बी चलने वाली बीमारियों की वजह से यौवन प्रारंभ होने में देरी हो सकती है। कुछ लड़कों में पिट्यूटरी ग्रंथि द्वारा बनाए जाने वाले हार्मोन (LH और FSH) की कमी होती है। यह अवस्था अक्सर जन्मजात होती है। इनमें से कुछ बच्चों में सूंघने की क्षमता कम होती है। इस रोग को 'कॉलमैन सिंड्रोम' कहते हैं।

यौवन में विलंब के अन्य कारण हैं: उम्र के हिसाब से अंडकोषों का आकार बहुत छोटा होना, विकिरण इलाज (रेडिएशन) या अंडकोषों की पूर्व सर्जरी।

लड़कों के यौवन में विलंब के लक्षण क्या होते हैं?

14 साल की उम्र तक लिंग और अंडकोषों के आकार में बढ़ोतरी न होना विलम्ब का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण होता है। संवैधानिक यौवन विलंब की अवस्था में शुरुआत में अपने हम-उम्र लड़कों से कद छोटा होता है, हालांकि कुछ समय बाद इनकी लंबाई और यौवन में सामान्य रूप से बढ़ोतरी देखी जाती है।

लड़कों के यौवन में विलंब का डायगनोसिस कैसे होता है?

शारीरिक परीक्षण के द्वारा काफी जानकारी ली जा सकती है। खून की जांच भी करवानी पड़ सकती है। LH, FSH और टेस्टोस्टेरोन के स्तर एवं हाथ के एक्सरे (X-ray) से और जानकारी मिल सकती है।

लड़कों के यौवन में विलंब का इलाज कैसे होता है?

संवैधानिक यौवन विलंब के इलाज की जरूरत नहीं होती। इस अवस्था में यौवन स्वयं ही प्रारंभ हो जाता है और सामान्य रूप से प्रगति करता है। 3-6 महीने टेस्टोस्टेरोन हार्मोन देने से विकास थोड़ा जल्दी शुरू किया जा सकता है। टेस्टोस्टेरोन इंजेक्शन/टीके द्वारा दिया जाता है। टेस्टोस्टेरोन के कुछ टीकों के बाद बच्चे की लंबाई, वजन और लिंग के आकार में बढ़ोतरी देखी जाती है। इसके बाद टेस्टोस्टेरोन जारी रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यदि यौवन विलंब का कोई अन्य कारण हो, तो लंबे समय तक टेस्टोस्टेरोन की

जरूरत पड़ सकती है । बच्चे की उम्र के साथ टेस्टोस्टेरोन की खुराक बढ़ानी पड़ती है ।

यह जानकारी पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसाइटी के मरीज शिक्षा अनुभाग की सहायता से छपी है ।

PES PEDIATRIC ENDOCRINE SOCIETY